वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2019–2020

प्रस्तुतकर्ता

सचिव

डॉ.बी.एल.देवन्दा

रजि. नं. 144/जयपुर/2008–09 मो॰ 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय ,रूपनगढ़

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड़, रूपनगढ़, अजमेर–305814

E-mail:Info@svmmcollege.com, website:- www.svmmcollege.com

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर शिक्षा समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में 2008–09 में प्रवेश किया था जो आज शोध सुविधायुक्त स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय के रूप में आपके समक्ष उन्नत मस्तक लिए खड़ा हुआ है।

महिला शिक्षा भारतीय सामाजिक व्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। इसका समाज से गहरा संबंध है तथा इससे राष्ट्र की प्रकृति, संस्कृति एवं चरित्र अनुबंधित है। सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ–साथ आज की महिलाओं के सामने सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएं, ज्ञान की वृद्धि, उभरती हुई अपेक्षाएँ तथा समाज में होनें वाले परिवर्तन इत्यादि भविष्य में जवाबदेही की अपेक्षा रखते हैं। इस दृष्टि से गुणवान सजग एवं अपने उतरदायित्वों के प्रति जागरूक महिलाओं को तैयार करने के लिए महिला शिक्षा की व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाना अनिवार्य है। महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य समाज में चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिलायें तैयार करना है।

यह मान्यता है कि एक चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला बनने के लिए औपचारिक एवं व्यावसायिक शिक्षण निरन्तर प्राप्त करते रहना चाहिए। ऐसा करने से उसके व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है, संप्रेषण कौशल पुष्ट होता है तथा आचारसंहिता के प्रति वचनबद्धता बढ़ती है। इन्ही सभी मूल्यों को प्रायोगिक रूप में शिक्षा जगत में स्थापित करने हेतु मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा सत्र 2016–2017 से स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ का शुभांरभ किया गया ।

सचिव

डॉ.बी.एल.देवन्दा

बालिका शिक्षा क्षेत्र में नवीन सोपान

अनेक शिक्षण संस्थाओं के बीच एक नवीन रूप, नवीन कलेवर एवं बालिका क्षेत्र में एक नवीन धारणा लेकर प्रारम्भ हुआ है–''स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय''। शिक्षा क्षेत्र के आकाश पर उदीयमान यह नवोदित नक्षत्र बालिका शिक्षा अज्ञान के तिमिर को अपनी कान्ति से दूर करने का अथक प्रयास करता रहेगा। एक शुभ समय में किया गया एक संकल्प, एक शुभ घड़ी में बालिका परोपकार का फूटा अंकुर, जिन महानुभावों के दिल में, वो साधुवाद के पात्र हैं। उनका अभिवन्दन करना कोई अतिश्योक्ति नहीं। इस संस्था के कर्णधारों का उद्येश्य– आप सभी को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, अपितु इस संस्था के माध्यम से हमारा उद्येश्य है– आप सभी को एक कर्त्तव्यनिष्ठ नारी के रूप में, एक देश–भक्त नागरिक के रूप में एवं सर्वोपरि–ईश्वर की सर्वोत्तम कृति स्वरूप एक आदर्श मानव के रूप में शिक्षित करने का। हमारा उद्येश्य है आप सभी में वांच्छित एवं आवश्यक मानवीय गुणों का विकास करना, जिससे कि आप भविष्य में न केवल अपना अपितु अपने माता–पिता, अपने परिवार एवं अपनी इस संस्था का नाम भी रोशन कर सकें।

किसी भी कार्य का शुभारम्भ हम करते हैं उस सर्वशक्तिमान के स्मरण से जिसकी कृपा के बिना कोई कार्य सफल नहीं हो सकता।

''श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वत्यै नमः''।

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा

हृदय राखि कौसलपुर राजा''

हर पल, हर पहर प्रभु का इसी प्रकार स्मरण रहे तो सफलता अवश्य ही चरण चूमेगी इसमें सन्देह नहीं।

12 जुलाई 2016 को रामायण का अखण्ड पाठ पॉच विद्वान पन्डितों द्वारा 24 घण्टे में सम्पन्न किया गया। तत्पश्चात् अगले दिन रात्रि में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष श्री बजरंग जी भाखर तथा सचिव डॉ. बाबू लाल जी देवन्दा ने जोड़े सहित हवन में आहुति होम की। भोज प्रसाद से संस्था का उद्घाटन के रूप में प्रभु स्मरण से कार्य सम्पन्न हुआ।

हमारा पुनीत 'गायत्री–मंत्र' वास्तव में 'सविता अर्थात् सूर्य का स्तवन है। हम उस सर्वशक्तिमान सूर्य के सौर–मण्डल के Solar system के एक तुच्छ से अंग हैं। सूर्य हमारे लिये शक्ति का, ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत है। उसी के प्रांगण, सूर्य मण्डल के क्रीडांगण में हम आज उसको नमन करते हुये शक्ति और ऊर्जा की प्रार्थना करते हैं। वे अपनी सप्त **ऋषियों** से इन बालिकाओं के तन–मन को सप्तरंगी इन्द्रधनुषों से सजाये व हमारे सयवेत प्रयत्न को सफलता का वरदान है।

महाविद्यालय परिचय

राज्य राजमार्ग सं. 7 पर किशनगढ़ शहर से 25 कि.मी. उत्तर में स्थित रूपनगढ़ कस्बा अपने आप में एक सुपरिचित नाम है जो कि बणी–ठणी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। इसी कस्बे में परबतसर रोड़ पर शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए **मनु सोथियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेथन सोसायटी, जयपुर के द्वारा** स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय संचालित किया जा रहा है जो महिला शिक्षा के क्षेत्र में रूपनगढ़ कस्बे का प्रथम उभरता हुआ महाविद्यालय है।

महाविद्यालय का वर्तमान भवन 31000 वर्गगज क्षेत्र में बना हुआ है जिसमें 17 सुसज्जित कक्षा कक्ष 30X30 साइज के तथा सभी संसाधनों से युक्त गृहविज्ञान एवं भूगोल प्रयोगशालाए, सेमीनार हॉल, विशाल पुस्तकालय,वाचनालय, बुक बैंक एवं कम्प्यूटर प्रयोगशाला मौजूद है। वर्तमान भवन में एक 50X50 का 200 सीट्स सुविधा युक्त सेमीनार हॉल उपलब्ध है। महाविद्यालय में खेलकूद कक्ष एवं स्टोर हेतु भी अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है महाविद्यालय परिसर में वॉलीबाल, बैडमिन्टन, खो–खो, कबड्डी, क्रिकेट इत्यादि आडटडोर गेम्स एवं केरम, शतरंज, टेबल टेनिस जैसे इन्डोर गेम्स की सुविधायें मोजूद है। महाविद्यालयका विशाल उद्यान महाविद्यालय की शोभा मे चार चांद लगाता है।

महाविद्यालय का प्रस्तावित भवन

महाविद्यालय में उपलब्ध भौतिक संसाधनों का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है। :–

क्र. सं.	उपस्थित कक्ष	संख्या	उपलब्ध सामग्री
1	कक्षा–कक्ष	10	– प्रत्येक कक्ष मे 40 से 60 सीट्स मय राईटिंग टेबल – लेक्चर स्टेण्ड, विशाल श्यामपट्ट, हवा एवं रोशनी का पूर्ण प्रबन्ध
2	पुस्तकालय,वाचनालय एवं बुक बैंक	1	– विभिन्न विषयों की कुल 4000 से अधिक पुस्तकें – धूल एवं क्षति से बचाने हेतु 22 काँच की पुस्तकें रखने की बन्द अलमारियाँ – 40 छात्राओं की बैठक क्षमता का वाचनालय – लाइब्रेरी कार्ड की व्यवस्था – बुक बैंक जिसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को 4 विषयों की पुस्तकें अग्रिम राशि जमा (जो की रिफण्डेबल है) देने पर उपलब्ध कराई जाती है।
3	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	1	– कुल 22 कम्प्यूटर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं प्रिन्टर तथा स्केनर सहित उपलब्ध है।
4	गृह विज्ञान प्रयोगशाला	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला जिसमें बाल एवं महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बंधी समस्त सामग्री उपलब्ध है।
5	भूगोल प्रयोगशाला (स्नातक)	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है ।
6	दृश्य श्रव्य संसाधन		– महाविद्यालय के पास ओ.एच.पी.,एल.सी.डी प्रॉजेक्टर कलर टीवी मय डी.वी.डी एवं कम्प्यूटर मय इन्टरनेट रेडियो एवं एफ.एम उपलब्ध है।
7	प्राचार्य,कार्यालय कक्ष एवं स्टाफ कक्ष	1	– निर्धारित मापदण्डों के अनुसार पूर्ण सुविधाओ से सुसज्जित है ।
8	खेलकूद एवं अन्य सहशैक्षिक सामग्री		– महाविद्यालय में क्रिकेट ,बैडमिन्टन , बॉलीवाल, फुटबाल, ऐथेलेटिक्स, शतरंज,कैरम,इत्यादि विभिन्न इन्डोर एवं आउटडोर खेलो की सुविधा मय खेल मैदान के उपलब्ध है साथ ही वाद्ययंत्र में हारमोनियम, तबला एवं ढोलक है ।
9	सेमीनार हॉल	1	– महाविद्यालय में एक सेमीनार हॉल 50 X 50 का 200 सीटों की क्षमता सहित उपलब्ध है ।
10	खेंल मैदान,प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम एवं अन्य सुविधाऐं		– महाविद्यालय के पास पर्याप्त खेल मैदान, प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम तथा छात्राओं एवं स्टॉफ हेतु अलग से स्वच्छ शौचालय एवं मूत्रालय व्यवस्था सहित उपलब्ध है।

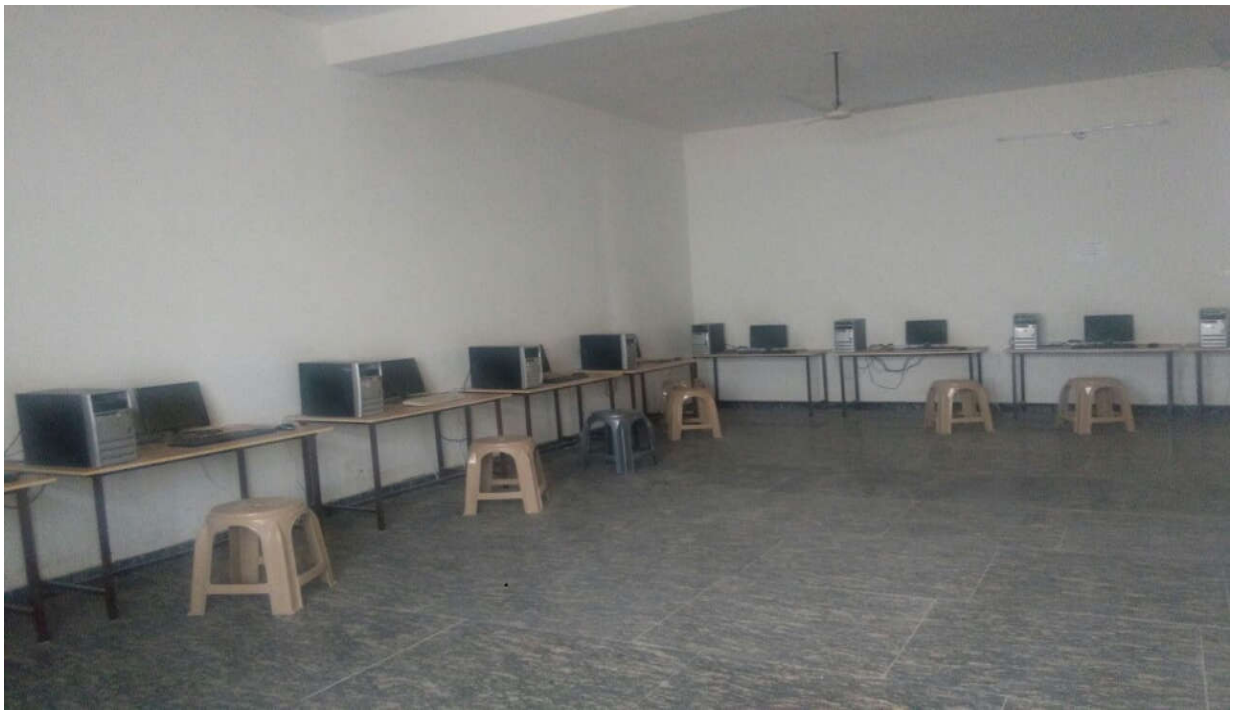

कम्प्यूटर लैब

खेल सामग्री

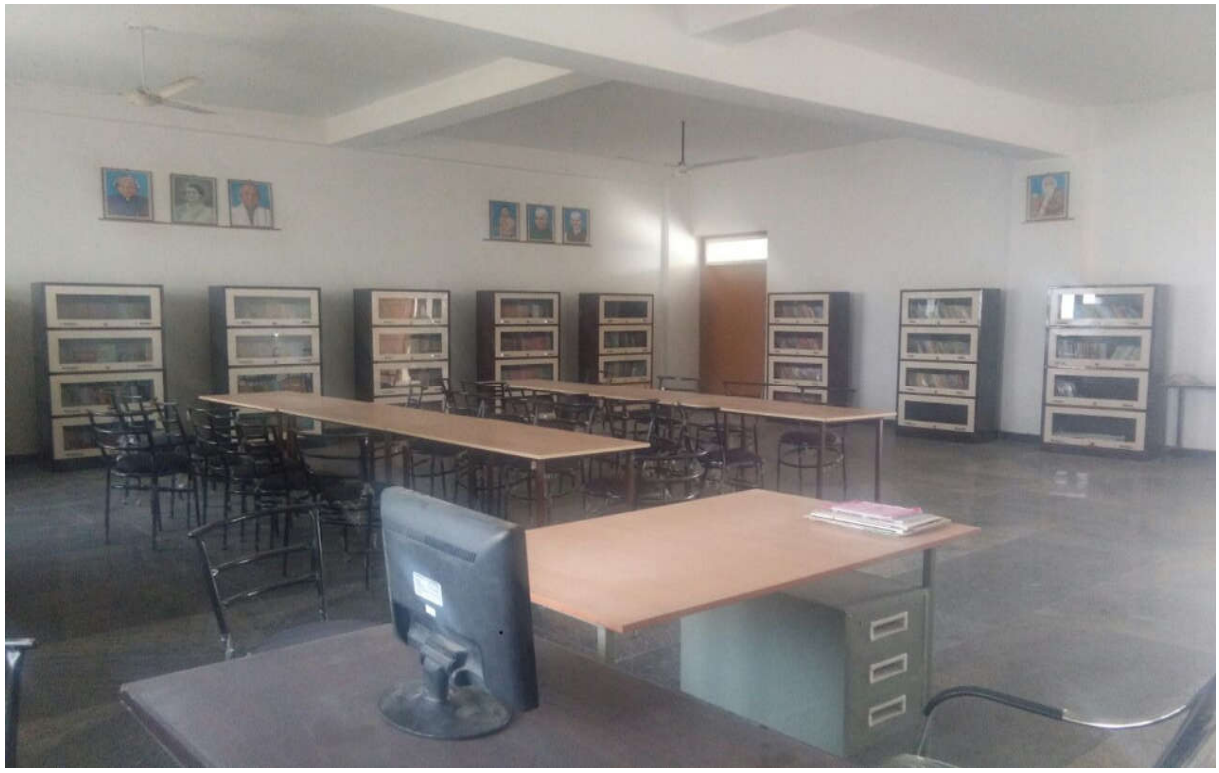

पुस्तकालय कक्ष

महाविद्यालय का खेल मैदान

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

महाविद्यालय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से सम्बद्ध है एवं राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय में छात्र संख्या एवं उपलब्ध विषय

सत्र 2016–17 से अनवरत संचालित महाविद्यालय में सत्र 2019–20 में 28 छात्रायें विभिन्न विषयों मे नामांकित हुई। वर्तमान सत्र में अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य, गृहविज्ञान एवं भूगोल विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है।

विषयवार प्रविष्ठ छात्राओं का विवरण– सत्र 2019–20

कला वर्ग

क.सं	विषय	नामांकित छात्रायें			योग
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	राजनीति विज्ञान	27	24	25	76
2	भूगोल	17	25	21	63
3	इतिहास	18	18	12	48
4	समाज शास्त्र	00	00	01	01
5	अर्थशास्त्र	00	00	00	00
6	अंग्रजी साहित्य	00	00	00	00
7	हिन्दी साहित्य	21	21	21	63
8	गृहविज्ञान	00	00	00	00
9	संस्कृत साहित्य	01	02	01	04
10	दर्शनशास्त्र	00	00	00	00
11	मनोविज्ञान	00	00	00	00
12	लोकप्रशासन	00	00	00	00

महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियो का प्रत्यक्ष बखान करते हैं। गतवर्षो की विश्वविद्यालयी परीक्षा का परिणाम सर्वोत्तम रहा।

महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी

विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम के आधार पर सत्रवार सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं की सूचीः–

क्र.सं.	वर्ष 2019–20	छात्रा का नाम
1	बी.ए. प्रथम वर्ष	दुर्गा कुमावत
2	बी.ए. द्वितीय वर्ष	ललिता नेतड
3	बी.ए. तृतीय वर्ष	तारा शर्मा

सत्र 2019–20 में आयोजित विभिन्न शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का ब्यौराः–

सत्र 2019–20 में महाविद्यालय में निम्नांकित शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

➢ प्रवेशोत्सवः–

महाविद्यालय मे दिनांक 01 जुलाई 2019 को नवागन्तुक छात्राओ का प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव डॉ. बी. एल. देवन्दा एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने मय स्टॉफ श्री गणेश एवं मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रवेश कार्य प्रारम्भ किया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा इस अवसर पर समस्त छात्राओं का तिलक लगाकर व मोली बाँधकर स्वागत किया गया, एवं सभी छात्राओं के लिए जलपान एवं मिठाई की व्यवस्था की गई।

सत्र के प्रथम तीन दिवसों मे छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए तथा उनके ज्ञान स्तर मे वृद्धि करने के लिए प्राचार्य एवं स्टॉफ द्वारा अपने–अपने विषयों की सामान्य जानकारी दी गई। छात्राओं से सामान्य परिचय लिया गया एवं कक्षागत शिक्षण का शुभारंभ किया गया।

सीनियर छात्राओं द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक करते हुए

01 जुलाई 2019 को संस्था के अध्यक्ष, सचिव, प्रभारी तथा प्राचार्य द्वारा मॉ शारदा के श्री चरणों को दीप शिखा की ज्योति एवं धूप–गन्ध से विभूषित किया। ये हमारी भारतीय संस्कृति की अर्चना रही है। तत्पश्चात् छात्राओं को तिलकार्चन कर विधि पूर्वक उद्घाटन किया। छात्राओं की संख्या 85 है।

➢ स्वतन्त्रता–दिवसः–

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ़ में आज दिनांक 15.08.2019 को 73 वॉ स्वतंत्रता दिवस के रूप मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा, श्री बजरंग लाल भाखर थे व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने झण्डारोहण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बबोधन में कहा की कई वीरों तथा वीरांगनाओ के बलिदान से इस देश को आजादी दिलायी है। 15 अगस्त हमेशा हमारे लिए इतना खास पर्व है कि एक दिन जब हम अपने देश की सारी महिमा याद कर भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के प्रयासों को याद करते हैं।

महाविद्यालय की छात्राऍ सरस्वती वन्दना के साथ सास्कृतिक कार्यक्रम की शुभारंभ किया छात्रा सुनिता सैनी ने मरूधरा कविता के माध्यम से देश भक्ति का संदेश दिया इसके साथ ही लक्ष्मी गोस्वामी ने, डिम्पल शर्मा, ललिता नेतड़, पूनम कुमावत, अन्जू शर्मा , अर्चना जाट , अनिता रॉयल, सुनिता सैनी, अनिता मीणा ने रोचक प्रस्तुतिया के कारण पाण्डाल में तालियों की गडगडाहट हुई।

अन्त में महाविद्यालय प्रभारी रमेश मीणा ने आगुनतक अतिथियों एवं समस्त छात्राओं को स्वतंत्रता पर्व पर शुभकामना देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय व्याख्यता शाहिद खान, सरोज जाखड़, मोहन लाल प्रजापत नें अपने विचार व्यक्त किये।

स्वतन्त्रता–दिवस

➢ हरियालो राजस्थानः–

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ़ में आज दिनांक 26.08.2019 को राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में 'हरियालो राजस्थान' के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्य भी सम्पन्न किया गया तथा वृक्षों को हरा–भरा रखने की शपथ ग्रहण की।

महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्राएँ पौधारोपण करते हुए।

➢ शिक्षक–दिवसः–

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ़ में दिनांक 05.09.2019 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा, अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाखर व प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा की डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा उनके विचारों से छात्र–छात्राओं को अवगत करवाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मेघना कंवर चारण ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, किशन बुगालिया, पूजा रेबारी, ईंकार, दुर्गा कुमावत ने भाषण दिया। अंजू शर्मा, सिमरन मीणा, सोनू शर्मा, सुमन, संतोष, पूजा ने एकल नृत्य की प्रस्तुतियॉ दी। गरिमा एण्ड ग्रुप ने ग्रुप–डांस प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य व समस्त व्याख्याताओं का माला व तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय प्रभारी श्री रमेश मीणा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन सादा व विचार उच्च कोटी के थे। अंत में सभी का आभार व्यक्त किया ।

शिक्षक–दिवस

➢ हिन्दी–दिवसः–

14 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय में 'हिन्दी–दिवस' का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 1949 को राष्ट्रभाषा वर्धा समिति के अनुरोध पर मनाया जाता है। इसी दिन संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की 'राज–भाषा' होगी।

प्राचार्या महोदय ने अपने उद्बबोधन में कहा की हिन्दी हमारी राष्ट्रीय भाषा है, हमें इस पर गर्व होना चाहिए तथा इसके सम्मान के लिए प्रत्येक नागरिक को हिन्दी भाषा को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता ''आज के परिवेश में हिन्दी भाषा का स्थान'' विषय पर आयोजित की गई। जिसके पक्ष में सीमा, पूना राम, राधिका शर्मा और विपक्ष में जमना शंकर, पूजा धोलखेड़िया, रतन लाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। सस्वर कविता पाठ प्रतियोगिता में ईश्वर सिंह जोधा, लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी, लक्ष्मी खटीक, मेघना चारण, संदीप, चंकी मिश्रा, रेणुका राठौड़, संजना, मथिया आदि ने अपनी कविताओं के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं व्याख्याताओं का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त श्रुतिलेखन व पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

हिन्दी दिवस

➢ स्वच्छ भारत दिवस व गांधी–जयन्ती और शास्त्री जयन्तीः–

2 अक्टूबर 2019 को स्वच्छ भारत दिवस व 'गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्ती' का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रभारी रमेश जी, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा तथा अन्य व्याख्याताओं ने दोनों महापुरूषों के जीवन पर प्रकाश डाला। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बबोधन में कहा कि महात्मा गांधी के विचारों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। महात्मा गांधी का एक ही सपना था– ''स्वच्छ और स्वस्थ हो भारत अपना'' हमें इस सपने को साकार करने में अपना योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में संतरा देवी, ईश्वरसिंह, लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी, संदीप ने महात्मा गांधी जी की 150 वी जंयती पर विचार प्रस्तुत किये। पूजा धोलखेड़िया, मोना सैनी, दुर्गा कुमावत ने कविता प्रस्तुत की।

महाविद्यालय व्याख्याता शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत, मोहन लाल प्रजापत सरोज जाखड़, पूजा कुमावत, राजेश मंडुसिया, सीमा जाखड़ नें अपने विचार व्यक्त किये।

अन्त में महाविद्यालय प्रभारी रमेश मीणा ने आगन्तुक अतिथियों एवं समस्त छात्र–छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच संचालन रतन लाल ने किया।

स्वच्छ भारत दिवस व गांधी–जयन्ती और शास्त्री जयन्ती

➢ गरबा प्रतियोगिताः–

गरबा महोत्सव कार्यक्रम में छात्राए प्रस्तुतिया देती हुई

03 अक्टुबर 2019 को ही गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत, रेनू। इस कार्यक्रम में गरबा रास का आयोजन किया गया जिसमें मेघना, मोना, सीमा, संतरा, अंजना कुमावत, सोनू शर्मा, परमेश्वरी, दुर्गा, तारा, नीतू कुमावत, रेखा, ईंकार, रिमझीम, ललिता नेतड़, चंकी मिश्रा, ईश्वर, जगदीश, जमना प्रसाद, ने प्रस्तुति दी।

20 अक्टूबर 2019 से 29 अक्टूबर 2019 तक दीपावली का अवकाश रहा। अवकाश से एक दिन पूर्व संस्था के परिवार के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई देकर शुभकामनायें दीं। 25 दिसम्बर 2019 से 31 दिसम्बर 2019 तक शीतकालीन अवकाश रहा।

दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा